Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : Fourth

सर्वदर्शन संग्रह–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. शंकराचार्य जी के जीवन व कृतित्व पर प्रकाश डालें।
2. शंकराचार्य जी के द्वारा प्रतिपादित मत की अपने अनुसार समीक्षा कीजिए।
3. मायावाद, विवर्तवाद एवं अनिर्वचनीय ख्यातिवाद क्या है? स्पष्ट रूप से प्रकट करें।
4. रामानुजाचार्य जी के अनुसार ईश्वर के जो पांच स्वरूप वर्णित हैं। उनका विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. विशिष्टाद्वैतदर्शन क्या है? इसके प्रमुख सिद्धान्तों की मामांसा कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. रामानुजाचार्य जी के द्वारा किन–किन शास्त्रों की रचना की गयी है?
7. शंकराचार्य जी द्वारा विरचित ग्रंथों का उललेख करें।
8. विवर्तवाद क्या है?
9. मायावाद का निराकरण रामानुजाचार्य जी ने किन तर्कों के आधार पर किया?
10. संकर्षण, वासुदेव, प्रद्युम्न तथा अनिरूद्ध के विषय में प्रकाश डालें।
11. "ब्रह्म और आत्मा के बीच सम्बन्ध" पर रामानुजाचार्य के विचारों को रेखांकित करें।
12. शंकराचार्य जी द्वारा स्थापित मठों का स्थान एवं नाम सहित परिचय दें।

----------x----------